भारत सरकार

जल संसाधन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1548

जिसका उत्तर 05 दिसम्बर, 2011 को दिया जाना है ।

.....

नेपाल के साथ समझौता

1548. श्री मोहन सिंह :

क्या **जल संसाधन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार नेपाल से भारत की ओर आने वाली नदियों से हर साल होने वाली बाढ़ की तबाही से बचने के संबंध में नेपाल से संधि करने पर विचार कर रही है और क्या भारत की इस संबंध में नेपाल सरकार से कोई बात हुई है ; और

(ख) नेपाल से भारत की ओर बहने वाली कौन-कौन सी नदियां हैं और इनके द्वारा हर साल बाढ़ के समय में कितने क्यूसेक अतिरिक्त जल भारत में आता है ?

उत्तर

जल संसाधन एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वींसेंट एच. पाला)

(क) जी नहीं । तथापि, बाढ़ प्रबंधन के मुद्दे पर विभिन्न द्विपक्षीय मंचों पर नेपाल के साथ चर्चा की जाती है । इसके अतिरिक्त, नेपाल से निकलने वाली नदियों से बार-बार आने वाली बाढ़ का दीर्घावधि में समाधान ढूढ़ने के क्रम में भारत सरकार द्वारा नेपाल सरकार के साथ नदियों पर जलाशय निर्माण करने की स्कीम नामत: नेपाल में महाकाली (शारदा), कर्नाली (घाघरा), कमला, बागमती और कोसी के लिए लगातार वार्ता की जा रही है ।

(ख) नेपाल से भारत में बहने वाली काफी संख्या में नदियॉ हैं । शारदा, घाघरा, राप्ती, सरयू, गंडक, बागमती, कमला, कोसी, मेची नेपाल से आने वाली मुख्य नदियॉ हैं ।

गंगा बेसिन में नेपाल से बहने वाली नदियों से औसतन, 200 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) जल प्राप्त होता है ।

*****